Padma Bhushan

SHRI NALLI KUPPUSWAMI CHETTI

Shri Nalli Kuppuswami Chetti, an Indian icon in the Silk Industry, is a celebrity in public life, besides the Textile business.

2. Born on 04th May, 1938, soon after writing his school final examinations, Shri Chetti joined the family business upon the untimely death of his father. As the third generation ward, he took charge of the family business in 1956. He imbibed values of life and business even in his teens. He developed the 200 sq. ft. shop into a 3 storey building of over 30,000 sq. ft. showroom with sprawling car park, stretching from one street to another. This was possible because of his hardwork and foresight. He is friendly with fellow traders and helps them when they are in need.

3. Shri Chetti has built up a large clientele and a large stream of vendors. He is known for his customer care, which outreaches business confines. He treats his vendors and employees as his family members. He is a liberal donor to noble causes covering education health care, arts and culture.

4. Shri Chetti is a voracious reader and voluminous author with over 3 scores of books to his credits. He is the Vice-President of educational institutions run by The Ramakrishna Math, Chennai. He is the Chairman of a Trust running an Arts college for Women and an Engineering college. He has been on the Senate of Bharathiyar University, Coimbatore and Periyar University, Salem. He has been a member of the planning Board of the Tamil University, Tanjavur. He has been invited by these schools including IIM, Ahmedabad, for lectures. He has been recognized as a successful business icon, by the reputed Harvard Business School (HBS) in the United States. The HBS has documented his life and service. He speaks Tamil, Telugu, Hindi and English.

5. Shri Chetti has been honoured with Kalaimamani Award by the Government of Tamil Nadu. He has won the Best Tamil Books Awards by the Tamil Nadu Government for his books on Business Management. Several institutions have conferred on him Lifetime Achievement Awards.

श्री नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी

रेशम उद्योग में भारतीय आइकन श्री नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, कपड़ा व्यवसाय के अलावा सार्वजनिक जीवन में भी एक सेलिब्रिटी हैं।

2. 04 मई, 1938 को जन्मे, श्री चेट्टी को अपने स्कूल की अंतिम परीक्षा देने के तुरंत बाद अपने पिता की असामयिक मृत्यु के कारण पारिवारिक व्यवसाय में शामिल होना पड़ा। तीसरी पीढ़ी के अभिभावक के रूप में, उन्होंने वर्ष 1956 में पारिवारिक व्यवसाय की कमान संभाली। उन्होंने किशोरावस्था में ही जीवन और व्यवसाय के मूल्यों को आत्मसात कर लिया था। उन्होंने 200 वर्ग फीट की दुकान को एक गली से दूसरी गली तक फैले 30,000 वर्ग फीट से अधिक की 3 मंजिला इमारत वाले शोरूम में बदल दिया जिसमें विशाल कार पार्किंग भी है। यह उनकी कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता के कारण संभव हुआ। वे साथी व्यापारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखते हैं और ज़रूरत पड़ने पर उनकी मदद करते हैं।

3. श्री चेट्टी ने एक बड़ा ग्राहक वर्ग और विक्रेताओं की एक बड़ी श्रृंखला तैयार की है। वह अपनी ग्राहक सेवा के लिए जाने जाते हैं, जो व्यवसायिक सीमाओं से परे है। वह अपने विक्रेताओं और कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्यों की तरह मानते हैं। वह शिक्षा स्वास्थ्य सेवा, कला और संस्कृति जैसे महान कार्यों के लिए उदार दानकर्ता हैं।

4. श्री चेट्टी बहुत ही जिज्ञासु पाठक और लेखक हैं, जिन्होंने 60 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। वह चेन्नई स्थित रामकृष्ण मठ द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के उपाध्यक्ष हैं। वह महिलाओं के लिए कला महाविद्यालय और एक इंजीनियरिंग महाविद्यालय चलाने वाले ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। वह कोयंबटूर स्थित भरतियार विश्वविद्यालय और सलेम स्थित पेरियार विश्वविद्यालय की सीनेट में रह चुके हैं। वह तमिल विश्वविद्यालय, तंजावुर के योजना बोर्ड के सदस्य रहे हैं। उन्हें आईआईएम, अहमदाबाद सहित इन स्कूलों द्वारा व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड बिजनेस स्कूल (एचबीएस) द्वारा सफल बिजनेस आइकन के रूप में मान्यता दी गई है। एचबीएस ने उनके जीवन और सेवा का वृत्तांत तैयार किया है। वे तमिल, तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी बोलते हैं।

5. श्री चेट्टी को तमिलनाडु सरकार द्वारा कलैमामणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें बिजनेस मैनेजमेंट पर लिखी गई उनकी पुस्तकों के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ तमिल पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कई संस्थाओं ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया है।